# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 237 सोमवार 23 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

## संघ के पथ संचलन में दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग में आयोजित एकत्रीकरण एवं पथ संचलन कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक प्रमुख डॉ. अवधेश ने भारतीय नव वर्ष को आत्ममंथन और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का पर्व बताया। उन्होंने समाज को सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. अवधेश ने अपने संबोधन में कहा कि नवसंवत्सर विश्व का सबसे प्राचीन संवत्सर है, जिसका आरंभ चौत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरेंद्र शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि संघ का अनुशासन और समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायी है। इससे पूर्व श्वेतांशु ने एकल गीत प्रस्तुत किया, जबकि सुधांशु ने बौद्धिक कार्यक्रम का संचालन किया।

पथ संचलन सरस्वती विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर पक्के बाजार, रोडवेज, जिला अस्पताल और दक्षिण दरवाजा होते हुए साहू धर्मशाला पर समाप्त हुआ। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला सह संघचालक प्रमोद, प्रांत गोसेवा प्रमुख अखिलेश, प्रांत समरसता प्रमुख सुभाष, विभाग प्रचारक ऋषि, विभाग कार्यवाह आशीष, अरविंद, भवानी प्रसाद, विष्णु प्रसाद, संतराम, श्रीराम, राहुल, गोविंद सिंह, राजेश कुमार, सर्वेंद्र, राघवेंद्र, अंकित, वायुनंदन, हरिओम प्रकाश, भानु, वीरेन्द्र सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

## महिला की हत्या का खुलासा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर मिली महिला के शव के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने महिला की गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को रेलवे ट्रैक पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की थी।

पुलिस के अनुसार, 6 मार्च 2026 को गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर एक महिला का शव मिला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई, जिसमें मृतका की पहचान शहर के कटरा गांधीनगर निवासी महिला के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच के बाद 21 मार्च को मृतका के पति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया, जिसके बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी। थानाध्यक्ष वाल्टरगंज के नेतृत्व में स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अभिषेक श्रीवास्तव (30) निवासी पिकौरा, थाना गौर को अटरा पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से मृतका का मोबाइल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद हुआ है।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मृतका के घर से जुड़ा हुआ था और उनके बीच पैसों का लेन–देन भी था।

# युद्ध को लेकर भारत अलर्ट प्रधानमंत्री ने किया समीक्षा

**नई दिल्ली (आभा)।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा की समीक्षा करते हुए तेल–गैस की निर्बाध सप्लाई के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया है, जिसमें जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत की स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल, कच्चा तेल, गैस, बिजली और खाद जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह वैश्विक हालातों पर नजर रखते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

देश में घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई को सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में अब कमी आई है। सरकार ने राज्यों के लिए कमर्शियल गैस का कोटा बढ़ा दिया है, जिसमें अस्पताल और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

साथ ही, घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को नए पाइप वाली गैस कनेक्शन देने में तेजी लाने की सलाह दी गई है। गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। राहत की बात यह है कि अमेरिका के टेक्सास से रसोई गैस लेकर एक बड़ा जहाज मंगलुरु बंदरगाह पहुंच चुका है, जिससे सप्लाई में सुधार होगा।

यह समीक्षा बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मु जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों पर युद्ध के कारण तनाव चरम पर है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से इलाके में संघर्ष काफी बढ़ गया है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा है।

औद्योगिक डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है और यह 109.59 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। हालांकि, जहाजरानी मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी 22 भारतीय जहाज और 611 नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं।

## मानक-विरुद्ध टोल वसूली रोकने की मांग को लेकर विधायक महेन्द्रनाथ को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वाहन चालकों ने समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मानक–विरुद्ध टोल वसूली बंद कराया जाय। ज्ञापन लेने के बाद विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि उन्होने इस समस्या को विधानसभा में उठाया था, उसके बाद अवैध वसूली बंद हुई थी। पुनः जिलाधिकारी से मिलकर अवैध वसूली बंद कराया जायेगा। जरूरत पड़ी तो ट्रक एसोसिएशन से मिलकर लोकतांत्रिक ढंग से आन्दोलन किया जायेगा।

ज्ञापन लेने के बाद ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि समस्या के समाधान हेतु जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी एवं अन्य सक्षम अधिकारियों के समक्ष कई बार निवेदन किया गया किन्तु आज तक कोई ठोस एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित नहीं किया गया है। कहा कि मड़वानगर टोल प्लाजा को पूर्व की तरह टोल–मुक्त किया जाए अन्यथा एसोसिएशन संघर्ष को बाध्य होगा। विधायक महेन्द्रनाथ यादव को ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से छोटू गुप्ता, अनुरोध सिंह, दीपक सिंह, आदित्य कुमार, अवधेश कुमार, मोतीराम चौधरी, सुमित चौधरी, हीरालाल चौधरी आदि शामिल रहे।

### –टोल प्लाजा पर अवैध वसलूी से परेशान हैं वाहन चालक

## कांग्रेस नेता महेन्द्र ने उठाया सवाल हिस्ट्रीशीटर को कैसे बना दिया सभासद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने राजनीति में जहरीली होती भाषा पर चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा है कि पिछले एक दशक में भाजपा नेताओं ने समाज को हिन्दू–मुसलमान के बीच बाटने का काम किया और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की छबि बिगाड़ने के लिये मर्यादा की सारी सीमा पार कर दिया। कहा कि आज देश घरेलू गैस, डीजल, पेट्रोल के संकट से गुजर रहा है। भाजपा और कुछ हिन्दू संगठनों के नेता घोषणा करते हैं कि मुसलमानो के दूकानों से सामान मत खरीदो। ऐसे में उन्हे मुस्लिम देशों से आनी वाली गैस, डीजल, पेट्रोल का भी उपयोग नहीं करना चाहिये।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राजनीति में शुचिता, पवित्रता की बात तो करती है किन्तु उसे ऐसे अपराधियों को भी

सभासद मनोनीत करने में कोई संकोच नहीं है जो हिस्ट्रीशीटर हैं। कहा कि हर्रैया नगर पंचायत के मनोनीत सभासद दीपक चौहान हर्रैया थाने के हिस्ट्रीशीट हैं। सभासद दीपक चौहान का आपराधिक रिकॉर्ड है। खुद भाजपा के कार्यकर्ता ही सवाल उठा रहे हैं कि अपराधी को कैसे सभासद बना दिया गया। उन्होने कहा कि देश की जनता सच्चाई जान चुकी है और भाजपा का नफरती एजेन्डा अब देश की जनता नकार देगी।

# मछुआरा महासंघ सम्मेलन में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को प्रेस क्लब सभागार में भारतीय मछुआरा महासंघ का सम्मेलन आर.डी. निषाद के संयोजन में किया गया। सम्मेलन में मछुआरा समाज के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक स्थिति पर विमर्श के साथ ही पदाधिकारी घोषित किये गये। सर्व सम्मत से संदीप निषाद जिलाध्यक्ष, राहुल निषाद महासचिव और शत्रुघ्न निषाद को आडीटर का दायित्व सौंपा गया। मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री और मछुआरा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंखलाल माझी ने कहा कि निषाद जाति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली है किन्तु उनका वर्तमान बहुत चुनौतीपूर्ण है। कहा कि लम्बे संघर्ष के बाद निषाद समाज को जो अधिकार दिये गये थे उसे एक–एक कर छीना जा रहा है। यदि नई पीढी जागरूक न हुई तो चुनौतियां और बढ जायेंगी।

पूर्व मंत्री शंखलाल माझी ने कहा कि निषादों का इतिहास जल और वन से जुड़ा है, जो उन्हें प्रकृति प्रेमी और साहसी योद्धा के

### –एकजुटता से पूरे होंगे लक्ष्य– शंखलाल माझी
### –उपेक्षा का शिकार है मछुआरा समाज– आर.डी. निषाद
### –संदीप निषाद जिलाध्यक्ष, राहुल निषाद महासचिव घोषित

रूप में स्थापित करता है। निषाद राज को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने भरत के समान भाई का आदर दिया किन्तु अब वे घोर उपेक्षा के शिकार हैं। कहा कि अधिकारों को हासिल करने के लिये मछुआरा समाज को एकजुट होकर आगे बढना होगा।

कार्यक्रम संयोजक आर. डी. निषाद ने कहा कि निषाद समुदाय का संबंध राजा वेन, पृथु और निषादराज गुह जैसे ऐतिहासिक राजाओं से जोड़ा जाता है। निषाद परंपरागत रूप से नदी–नालों पर आश्रित समुदाय हैं, जिसमें मछली पकड़ना, नाविक (नाव चलाना), रेत की खुदाई और जल–परिवहन मुख्य पेशा रहा है। किन्तु नये सन्दर्भो में सरकार ने उन्हें हाशिये पर छोड़ दिया है। कहा कि एकजुटता से ही लक्ष्य हासिल होंगे।

भारतीय मछुआरा महासंघ के सम्मेलन को रामकेवल निषाद, रविकान्त निषाद, अजय निषाद, बब्लू निषाद, कानिक राम निषाद, सतिराम निषाद आदि ने सम्बोधित करते हुये मछुआरा समाज की चुनौतियों, कुरीतयों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा ही लक्ष्य हासिल होंगे। कहा कि अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करें। कार्यक्रम मुख्य रूप से पटेश्वरी निषाद, प्रेमचन्द निषाद, गब्बर निषाद, रामचरन निषाद, फूलचंद निषाद, अनिल यादव, गुरू प्रसाद निषाद, विफई निषाद, भगवत निषाद, संजय निषाद, शुभम चौधरी, सुल्तान, नन्दलाल निषाद, कृष्णा प्रसाद निषाद, गुरूदीन निषाद, दिलीप कुमार निषाद, श्यामलाल निषाद, गंगाराम निषाद, राम विलास निषाद, अनिल कुमार निषाद, विनोद कुमार निषाद, रमेश निषाद, रामअचल निषाद, अवधेश निषाद, शोभानाथ निषाद, दयाराम निषाद के साथ ही बड़ी संख्या में मछुआरा समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

## पूरे देश में हो रहा ग्रापए का विस्तारः परिचय पत्र वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा पत्रकारों के परिचय पत्र वितरण का कार्यक्रम टाटा मोटर्स के शोरूम एसपी ऑटोव्हील्स गोटवा में आयोजित किया गया। जीपीए के प्रदेश महामंत्री डॉ0 संजय द्विवेदी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष बलराम त्रिपाठी एवं जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों के हित में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की एवं एकजुट होकर समाज में होने वाली कुरीतियों एवं जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने कलम का प्रयोग करने की बात कही। कहा कि पूर्व में कम संसाधन में जिस तरह संगठन द्वारा विस्तार का क्रम जारी रखा गया। उसका परिणाम है कि आज जीपीए पूरे भारत का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है।

कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवा में चयनित युवाओं के प्रेरणास्त्रोत बस्ती जनपद के हरैया क्षेत्र के सकरदहा निवासी प्रखर शुक्ला (आईएएस) को संगठन के पदाधिकारियो द्वारा अंगवस्त्र सील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज त्रिपाठी द्वारा किया गया। शिक्षाविद एवं पत्रकार धनीश त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए उपस्थित लोगों आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जनार्दन पाण्डेय, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, डॉ0एसके सिंह, पंकज त्रिपाठी, अनिल कुमार पाण्डेय, रवीश मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल रहे।

## विधायक कविन्द्र चौधरी ने किया विद्यालय का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने लोहरौली तिलकपुर में श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नये भवन का शिलान्यास किया। कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने वालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यालय के निर्माण और विकास के लिये विधायक के रूप में उनकी भूमिका सदैव बनी रहेगी।

विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि इस अंचल में शिक्षा क्षेत्र में निरन्तर प्रयास जारी है। इसी कड़ी में श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय की आधारशिला रखी गई है। निदेशक डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि अति शीघ्र विद्यालय अपना आकार ले लेगा।

शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से

### –अति शीघ्र शुरू होगा श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय– डा. वी.के.वर्मा

राम सुरेश चौधरी, ई. रघुनाथ पटेल, डा. सी.एम. पटेल, चन्द्रशेखर वर्मा, राम प्रसाद चौधरी, ई. चन्द्रशेखर, विजय प्रकाश चौधरी, डा. वीरेन्द्र यादव, आलोक त्रिपाठी, राम पूरन चौधरी, अखिल यादव, घनश्याम यादव, अफजल हुसेन अफजल, जगनरायन वर्मा, शिव प्रसाद चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, अमरेश चौधरी, विशाल गुप्ता, शंकर यादव, अर्जुन के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शिक्षक उपस्थित रहे।

## बीएसए ने किया लारेल्स इण्टरनेशनल प्रीस्कूल का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को शहर के आवास विकास क्षेत्र में बच्चों की विश्वस्तरीय शिक्षा के नए केंद्र लॉरेल्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने किया।

समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि इन्दिरा चैरिटेबल सोसाइटी के सीईओ अजय कुमार पाण्डेय और विद्यालय के डायरेक्टर आयुष ओझा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई । इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि पाण्डेय ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया ।

मुख्य अतिथि अनूप कुमार तिवारी ने विद्यालय के आधुनिक ढांचे और शिक्षण पद्धति की सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी संस्थाएं मील का पत्थर साबित होंगी । विशिष्ट अतिथि अजय कुमार पाण्डेय कों बस्ती का पहला 'गरिमा गृह' खोलने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होने शिक्षा के क्षेत्र में इस नई पहल को सराहा ।

कार्यक्रम के दौरान मार्शल आर्ट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तायक्वोंडो खिलाड़ियों और विद्यालय के मेधावी छात्रों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।

डायरेक्टर आयुष ओझा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य बच्चों को केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है । प्रधानाचार्या निधि पाण्डेय ने अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद अतिथियों ने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया ।

## मैं अपराधी था तो राजेश शुक्ला उर्फ बबलू साथ में काम क्यों करते थे– पंकज सिंह

### -जिला प्रशासन कराये उच्चस्तरीय जांच, दण्डित हो दोषी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने कहा है कि उन पर रंगदारी के मनमाने आरोप लगाये जा रहे हैं। कहा कि यदि आरोप गलत हो तो राजेश शुक्ला उर्फ बबलू 20 वर्ष का रायल्टी दिखा दें। यह भी बता दें कि वे अवैध खनन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं। कहा कि आरोप लगाने से पहले राजेश शुक्ला उर्फ बबलू स्वयं अपने गिरेबान में झांककर देखे। कहा कि जिला प्रशासन पूरे मामले की जांच कराकर जो भी दोषी हो उसके विरूद्ध कार्रवाई करे। कहा कि यदि वे अपराधी थे तो उनके साथ काम क्यों करते थे। यदि वे अपराधी है तो जमीन खरीदते समय उन्हें गवाह क्यों बनाया। अभी तक मित्र थे अब मुझे गुण्डा बता रहे हैं।

ज्ञात रहे कि महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने पुलिस उपमहानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आर०के० कंस्ट्रक्शन कम्पनी में लेन देन के विवाद को लेकर धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

डीआईजी को दिये पत्र में पंकज सिंह ने कहा है वे गिट्टी, मोरंग व मिट्टी की सप्लाई का कार्य करते हैं, सन् 2023 से राजेश शुक्ला उर्फ बबलू पुत्र राजेंद्र प्रसाद शुक्ला निवासी गोबरहिया थाना पुरानी बस्ती से संबंधा है, राजेश शुक्ला आर०के० कंस्ट्रक्शन नामक कम्पनी चलाते हैं। पंकज सिंह ने राजेश शुक्ला की कम्पनी में साझेदारी के तहत रुपए लगाए हैं, उसने अपनी पत्नी के अकाउण्ट से दो लाख रूपये और अपने अकाउण्ट से 25 हजार रुपया आर०के० कांस्ट्रक्शन के अकाउण्ट में 11 जून 2025 को काम शुरू करने के लिए भेजा। वह कम्पनी में 15 प्रतिशत

बचत में रहता था, आर०के० कांस्ट्रक्शन के साथ मिलकर जो कार्य किए थे उसमें उसका कुल हिस्सा 8 लाख रूपया है जिसमें से राजेश शुक्ला धीरे–धीरे करके 1,50,000 के करीब में वापस कर दिये, परन्तु शेष 6 लाख 50 हजार रूपया बनता था उसे मांगने पर नहीं दिया। धोखे से 6,50,000– रूपये राजेश शुक्ला ने हड़प लिया। पैसा मांगने पर फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी भी दे रहे हैं और गलत बयान देकर रंगदारी मांगने का आरोप लग रहे हैं और उसे बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। राजेश शुक्ला आपराधिक किस्म के व्यक्ति हैं जो जोर–जबरदस्ती, धोखेधड़ी से 6,50,000– रूपया राजेश ने शुक्ला हड़प लिया। पंकज सिंह ने दोषी के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर धन वापस कराये जाने और परिवार के सुरक्षा की मांग किया है। महरीपुर निवासी पंकज सिंह द्वारा शिकायती पत्र देने के बाद अब राजेश शुक्ला उर्फ बबलू उन्हें गुण्डा और अपराधी बता रहे हैं। उनके सारे आरोप निराधार है।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" –वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 मार्च 2026 सोमवार

## सम्पादकीय

# दागी नेता और राजनीति

भारतीय राजनीति में सभी दल साफ–सुथरी राजनीति के पक्षधर तो हैं, लेकिन विचित्र बात है कि चुनावों के दौरान उन्हें आपराधिक पृष्ठभूमि के किसी नेता पर भरोसा करने में कोई हिचक नहीं होती। नतीजा यह होता है कि दागी नेता विधानसभाओं से लेकर संसद तक पहुंच जाते हैं। बीते कई दशकों में राजनीति का जिस तरह अपराधीकरण हुआ है, उससे लोकतंत्र के उद्देश्यों और लक्ष्यों को गहरी क्षति पहुंची है। चुनाव सुधारों से संबंधित गैर–सरकारी संगठन एडीआर की नई रपट ने एक बार फिर इस चिंता को रेखांकित किया है।

इसके मुताबिक, राज्यसभा के बत्तीस फीसद मौजूदा सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। दूसरी ओर, केरल में हलफनामों की समीक्षा के बाद पाया गया कि बानवे विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। गौरतलब है कि हर साल एडीआर की रपट आती है और सभी तरफ इस पर चिंता भी जताई जाती है। मगर ऐसा लगता है कि न तो इसे राजनीतिक दल कभी इसे गंभीरता से लेते हैं और ही चुनाव आयोग कोई ठोस पहल करता है। नतीजा यह कि हर बार दागी पृष्ठभूमि के लोगों को टिकट दे दिया जाता है और उनके नामांकन पर आयोग की मुहर भी लग जाती है।

यह निराशाजनक है कि राजनीतिक दल अपने सिद्धांतों को दरकिनार कर आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को उन संवैधानिक संस्थाओं की विधायी प्रक्रिया का हिस्सा बना देते हैं, जहां न केवल देश के अहम फैसले होते हैं, बल्कि कानून भी बनाए जाते हैं। सवाल है कि अपराध और राजनीति के बीच यह स्याह गठजोड़ क्यों और कैसे फल–फूल रहा है। यह सही है कि दागी नेताओं के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष त्वरित अदालतें बनाई गई हैं, लेकिन अधिकतर मामलों में फैसला वर्षों बाद आता है और ये नेता अपने पदों पर काबिज रहते हैं।

कई बार तो पुलिस और प्रशासन की सांठगांठ की वजह से समय पर जांच पूरी नहीं हो पाती। वहीं राजनीतिक दल उम्मीदवारों का आपराधिक ब्योरा सार्वजनिक नहीं करते। कायदे से आपराधिक मामला दर्ज होने पर दागी नेताओं को चुनाव लड़ने से ही रोक दिया जाए, तो स्वच्छ राजनीति के लिए जमीन तैयार करने की दिशा में यह बड़ा कदम होगा।

# स्वास्थ्य बीमा के प्रश्न

यह विडंबना ही है कि जिस भरोसे की वजह से कोई व्यक्ति बीमारी का इलाज कराने किसी निजी अस्पताल में जाता है, वह उसके लिए एक नई परेशानी की वजह बन जाता है। भविष्य में इलाज का खर्च उठाने की राह आसान बनाने का भरोसा देकर बीमा कंपनियां लोगों को अपनी योजनाओं का हिस्सा बनने के लिए तो तैयार कर लेती हैं, लेकिन जब इलाज पर हुए खर्च की भरपाई करने का वक्त आता है, तो उसमें कई तरह की अड़चन पेश कर दी जाती है या कई बार मना भी कर दिया जाता है।

निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच मिलीभगत के सहारे चल रही इस गड़बड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, लेकिन अब तक इस तरह के घोटालों पर रोक को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस सक्रियता नहीं देखी गई है। हाल ही में यह मसला संसद में उठाया गया, जिसमें सरकार से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम लोगों की कमर तोड़ रहा है।

अक्सर ऐसे मामले देखे जाते हैं, जिसमें अस्पताल में मरीज की मौत हो जाती है और नियमों का हवाला देकर या अलग–अलग कारण बता कर बीमा कंपनी दावे को खारिज कर देती है। इलाज के दौरान अस्पताल में किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो कई बार खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल शव देने तक से इनकार कर देता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में मरीज के परिजन किस तकलीफ से गुजरते होंगे। सवाल है कि बीमा कराने के लिए लोगों को आकर्षित करने के कारोबार को इजाजत देने वाले संबंधित सरकारी महकमे इस तरह की मनमानियों के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं। इसी मसले पर एक अन्य राज्यसभा सांसद संजय यादव ने कहा कि कंपनियां हर साल करोड़ों रुपए का प्रीमियम तो इकट्ठा करती हैं, लेकिन जब इलाज के बाद मरीज या उसके परिजन खर्च के भुगतान के लिए संपर्क करते हैं, तो वे अलग–अलग तकनीकी कारणों का हवाला देकर रकम का एक बड़ा हिस्सा काट लेती हैं।

असल में कंपनियां जब लोगों को बीमा कराने का भरोसा दे रही होती हैं, तब नियम–शर्तों को बताने के मामले में स्पष्टता और पारदर्शिता नहीं बरती जाती। दूसरी ओर, ज्यादातर लोग अस्पष्ट और जटिल स्वरूप में दर्ज नियमों के मामले को कंपनी के भरोसे पर छोड़ देते हैं। बाद में कंपनियां लोगों के इसी भरोसे का फायदा उठा कर नियमों को आधार बनाती हैं। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आइआरडीए) के 2024 के आंकड़े के मुताबिक, एक ही वर्ष में करीब छब्बीस हजार करोड़ रुपए के बीमा दावे खारिज हुए। किसी अस्पताल में भर्ती होने और इलाज पर आए खर्च के मुकाबले काफी कम रकम का भुगतान करने के मामले आम रहे हैं।

इस बात की पड़ताल की जानी चाहिए कि क्या बड़े निजी अस्पताल और बीमा कंपनियों के बीच कोई सांठगांठ है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को बीमा कराने के लिए तैयार करने से लेकर इलाज कराने के लिए अस्पताल का चुनाव करने, खर्च के भुगतान के दावे पर निर्णय लेने का कोई संजाल काम करता है। इस तरह के गठजोड़ की जांच कर गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और शिकायतों से निपटने लिए एक राष्ट्रीय मानक बनाने की जरूरत है, ताकि मरीजों के भरोसे और उनकी सेहत का सौदा न किया जा सके।

# गंगा चैनल की उपेक्षित कड़ी और प्रशासनिक जवाबदेही का प्रश्न

**–अखिल कुमार यादव–**

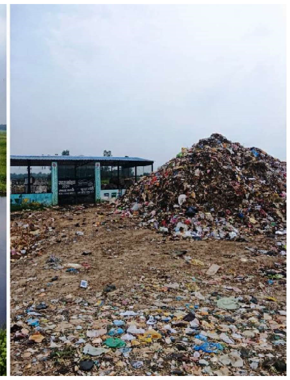

उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद से होकर बहने वाली रवई नदी को प्रायः एक छोटी, मौसमी और स्थानीय जलधारा के रूप में देखा गया है। यही दृष्टि इसकी सबसे बड़ी त्रासदी भी रही है। वास्तविकता यह है कि रवई नदी केवल कुछ गाँवों या एक जिले की भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि गंगा नदी प्रणाली (ळंदहं त्पअमतै लेजमउ) की एक महत्वपूर्ण और सक्रिय उपधारा है। रवई का कुआनों नदी में मिलना, कुआनों का घाघरा में समाहित होना और अंततः घाघरा का गंगा में विलयकृयह क्रम निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि रवई गंगा चौनल का अभिन्न हिस्सा है। इस तथ्य की उपेक्षा करना केवल एक नदी की अनदेखी नहीं, बल्कि गंगा संरक्षण की पूरी अवधारणा को कमजोर करना है।

रवई नदी का महत्व केवल जलविज्ञान या भूगोल तक सीमित नहीं है। यह नदी भारतीय लोकसंस्कृति और आस्था की एक जीवंत धारा रही है। जनश्रुतियों के अनुसार इसका जन्म श्रवण कुमार की करुण कथा से जुड़ा है। कहा जाता है कि श्रवण कुमार के नेत्रहीन माता–पिता शांतनु व ज्ञानवती के आँसुओं से निकली जलधारा आगे चलकर 'रोई नदी' कहलाई, जो कालांतर में रवई बन गई। यही कारण है कि इस नदी को करुणा, सेवा और त्याग का प्रतीक माना गया। इसके दोनों किनारों पर समय माता के अनेक मंदिर, ग्रामीण आस्थाओं के केंद्र और लोकपरंपराओं के चिन्ह आज भी मौजूद हैं। रवई केवल जल नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति और सामूहिक चेतना की वाहक रही है।

सदियों तक रवई नदी ने आसपास के गाँवों की प्यास बुझाई, खेतों को सींचा और पशुपालन व कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। किंतु वर्तमान समय में यह नदी गंभीर संकट से गुजर रही है। मौसमी प्रवाह, घटता जलस्तर, जलकुंभी का अत्यधिक प्रसार, मिट्टी खनन, नालों का प्रदूषित पानी और अवैज्ञानिक मानवीय हस्तक्षेपइन सबने मिलकर रवई को लगभग एक संकटग्रस्त जलधारा में बदल दिया है। गर्मियों में कई स्थानों पर इसका प्रवाह रुक जाता है और केवल छोटे छोटे जलकुंड शेष रह जाते हैं। यही वह समय होता है जब प्रदूषण का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है और इसका सीधा असर पशुपालन, कृषि और जनस्वास्थ्य पर पड़ता है।

आधुनिक पर्यावरणीय विज्ञान और कानून यह स्पष्ट करते हैं कि किसी भी प्रमुख नदी की स्वच्छता उसकी सहायक और उपदृसहायक नदियों के संरक्षण के बिना संभव नहीं है। इसी सिद्धांत के आधार पर ष्नमामि गंगेष जैसे कार्यक्रम पूरे गंगा बेसिन को एक इकाई के रूप में देखते हैं। इस दृष्टि से रवई नदी में होने वाला कोई भी प्रदूषण अप्रत्यक्ष रूप से गंगा को प्रदूषित करने के समान है। यदि रवई असुरक्षित है, तो कुआनों, घाघरा और अंततः गंगा भी सुरक्षित नहीं रह सकती। इसलिए रवई का संरक्षण स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नदी संरक्षण नीति का अभिन्न हिस्सा है।

इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा ओ०ए० संख्या 613/2022, राम मिलन साहनी बनाम राज्य सरकार व अन्य में पारित आदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। इस आदेश में एनजीटी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सड़कों, नदियों, जलमार्गों, नालों, आर्द्रभूमियों और उनके तटीय क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट का संग्रह, ढेर या अवैज्ञानिक निस्तारण प्रतिबंधित है। यह आदेश केवल किसी एक मामले या किसी एक जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में लागू होने वाला एक पर्यावरणीय सिद्धांत है। एनजीटी के निर्णयों में बार–बार दो मूल सिद्धांत उभरकर आते हैं सावधानी सिद्धांत (Precautionary Principle) vkSj ēnw"kd Hkqxrku fl)kar Polluter Pays Principle)। इनका आशय यह है कि यदि किसी गतिविधि से पर्यावरणीय क्षति की आशंका है, तो पूर्ण वैज्ञानिक प्रमाण की प्रतीक्षा किए बिना भी उस गतिविधि को रोका जा सकता है, और यदि क्षति होती है तो उसका दायित्व प्रदूषक पर होगा।

इसी कानूनी पृष्ठभूमि में कोइलपुरा क्षेत्र में रवई नदी के तट पर स्थापित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) केंद्र का प्रश्न उभरकर सामने आता है। लगभग 38 लाख रुपये की लागत से बने इस केंद्र का उद्देश्य नगर से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक पृथक्करण, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग करना और शेष कचरे का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करना था। सिद्धांत रूप में यह योजना स्वच्छता और संसाधन संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होती है। किंतु पर्यावरणीय कानूनों में किसी भी परियोजना की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके स्थान, संरचना और प्रभाव से तय होती है। नदी तट पर स्थित कोई भी कचरादृ संबंधी गतिविधि स्वभावतः उच्च जोखिम वाली मानी जाती है।

स्थानीय स्तर पर यह आरोप और अनुभव सामने आए हैं कि एमआरएफ केंद्र पर लंबे समय तक मशीनें बंद रहीं, कचरे का समुचित पृथक्करण नहीं हुआ और दूषित तरल व दुर्गंध आसपास के क्षेत्र में फैलती रही। यदि लीचेट या गंदा पानी बिना शोधन के सीधे नदी में पहुँचता है, तो यह ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और एनजीटी आदेशोंकृतीनों का उल्लंघन है। और जब यह उल्लंघन गंगा चौनल की उपधारा में हो, तो मामला स्थानीय प्रशासनिक चूक से आगे बढ़कर राष्ट्रीय नदी संरक्षण तंत्र की विफलता का रूप ले लेता है।

यहीं पर जिला गंगा समिति (क्पेजतपबज ळंदहं ब्वउउपजजमम दृ क्ळब) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के दिशा–निर्देशों के तहत गठित इस समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी होते हैं और इनका दायित्व गंगा तथा उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का होता है। यदि रवई नदी गंगा चौनल का हिस्सा हैकृऔर भौगोलिक व हाइड्रोलॉजिकल रूप से वह है–तो रवई से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि जिला गंगा समिति के प्रत्यक्ष दायरे में आती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या समिति ने रवई नदी को औपचारिक रूप से गंगा बेसिन की उपधारा मानकर उसका संज्ञान लिया है, क्या एमआरएफ केंद्र के स्थान चयन और संचालन की पर्यावरणीय समीक्षा की गई है, और क्या रवई के जल गुणवत्ता आंकड़े गंगा निगरानी तंत्र में शामिल हैं। इन प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर न मिलना प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

रवई नदी का संकट केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। यह जनस्वास्थ्य, पशुपालन और ग्रामीण आजीविका से भी सीधे जुड़ा हुआ है। दूषित जल से पशुओं में रोग फैलते हैं, चारे और दूध की गुणवत्ता प्रभावित होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में त्वचा तथा पेट संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में रवई जैसी छोटी और मौसमी नदियाँ प्राकृतिक बफर का काम करती हैं। उनका सूखना या प्रदूषित होना भविष्य में बाढ़, जल संकट और पारिस्थितिक असंतुलनकृतीनों की आशंका को बढ़ाता है। इसलिए रवई का संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का प्रश्न है।

देश के अन्य हिस्सों में हिंडन, वरुणा और तमसा जैसी गंगा की सहायक नदियों के लिए विशेष कार्ययोजनाएँ बनीं और न्यायिक हस्तक्षेप हुआ। इसके विपरीत रवई जैसी उपधाराएँ प्रशासनिक प्राथमिकताओं से बाहर रहीं। यह स्थिति क्षेत्रीय असमानता और नीतिदृ निर्माण की खामियों को उजागर करती है। यदि गंगा को वास्तव में स्वच्छ और अविरल बनाना है, तो उसकी हर उपधाराकृचाहे वह छोटी हो या बड़ीकृको समान गंभीरता से देखना होगा।

रवई नदी का संरक्षण किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। जिला गंगा समिति, नगर पालिका, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ग्राम पंचायतें, स्थानीय समुदाय और स्वयंसेवी संगठन–सभी की साझा भूमिका इसमें आवश्यक है। नदी तट का स्पष्ट सीमांकन, बफर जोन का निर्धारण, एमआरएफ केंद्र सहित सभी तटीय गतिविधियों का स्वतंत्र पर्यावरणीय ऑडिट, शून्यदृलीचेट नीति, सरयू नहर प्रणाली से स्थायी जल प्रवाह, निरंतर सफाई अभियान और जल गुणवत्ता आंकड़ों की पारदर्शी सार्वजनिक निगरानीकृये सभी कदम मिलकर ही रवई को पुनर्जीवित कर सकते हैं।अंततः रवई नदी की उपेक्षा दरअसल गंगा के प्रति हमारी अधूरी समझ का प्रतीक है। राम मिलन साहनी प्रकरण ने कानूनी चेतावनी दे दी है। अब यह जिला गंगा समिति और प्रशासन पर निर्भर करता है कि वे इस चेतावनी को ठोस, विधिसम्मत और वैज्ञानिक कार्रवाई में बदलें। रवई का संरक्षण केवल एक स्थानीय पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि गंगा चौनल की जड़ों की रक्षा है। और जड़ों की रक्षा के बिना कोई भी नदी, कोई भी संस्कृति और कोई भी सभ्यता लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकती।

# सुननी होगी वनों की पुकार

**–ललित गर्ग–**

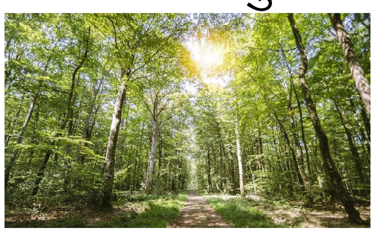

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह–अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम "वन और भोजन" यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं। वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित "वनों और अर्थव्यवस्था" थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको–टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। "हरित भारत मिशन" के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है।

# युद्ध विडंबना और दरकती अर्थव्यवस्था

**–रघु रमन–**

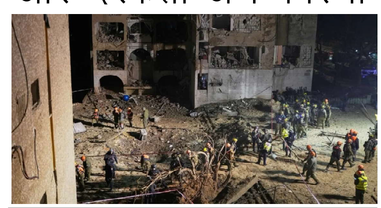

**9 करोड़ से अधिक आबादी वाले ईरान की कुल आबादी अमरीका के युद्धक्षेत्रों वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। इसके 40 लाख से अधिक नागरिक पश्चिमी देशों में रहते हैं, जो अब अपने वतन को जलते हुए देख रहे हैं। हजारों वर्षों की सभ्यतागत स्मृति वाले इतने बड़े राष्ट्र को आसानी से अधीन नहीं किया जा सकता।**

इतिहास में किसी भी युद्ध के बताए गए औचित्यों के पीछे, चाहे वे न्यायसंगत कारण हों, परमाणु खतरे हों, सच परिवर्तन हों, मूल सत्य एक ही है–संघर्ष हमेशा से संसाधनों की खोज रहा है। ईरान युद्ध महज इसका नवीनतम अध्याय है। इतिहास में किसी भी युद्ध के बताए गए औचित्यों के पीछे, चाहे वे न्यायसंगत कारण हों, परमाणु खतरे हों, सच परिवर्तन हों, मूल सत्य एक ही है–संघर्ष हमेशा से संसाधनों की खोज रहा है। ईरान युद्ध महज इसका नवीनतम अध्याय है। गाजा और तेहरान पर एकतरफा बमबारी और एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष के अपहरण के बाद, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शायद खुद को यह यकीन दिला दिया था कि इसी तरह की रणनीति से ईरान को कुछ ही घंटों में कुचल दिया जाएगा। लेकिन 3 सप्ताह से चल रहे इस लगातार बढ़ते संघर्ष में, यह भ्रम बेरहमी से टूट गया है।

9 करोड़ से अधिक आबादी वाले ईरान की कुल आबादी अमरीका के युद्धक्षेत्रों वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। इसके 40 लाख से अधिक नागरिक पश्चिमी देशों में रहते हैं, जो अब अपने वतन को जलते हुए देख रहे हैं। हजारों वर्षों की सभ्यतागत स्मृति वाले इतने बड़े राष्ट्र को आसानी से अधीन नहीं किया जा सकता। अली खामेनेई की हत्या से ईरानी राज्य का पतन नहीं हुआ, इसने राज्य को विकेंद्रीकृत कर लिया है, जिससे किसी एकजुट शत्रु से भी अधिक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है। नेतृत्वहीन आंदोलन से न तो बातचीत की जा सकती है, न ही उसे रोका जा सकता है और न ही उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

केंद्रीकृत सत्ता की जगह अराजकता ने नहीं, बल्कि उससे भी कहीं अधिक कठोर शक्ति ने ले ली है– 'खोने को कुछ नहीं बचा' का दृढ़ संकल्प। जो व्यक्ति एक ही दिन में अपने पूरे परिवार को खो देता है, वह बदला लेने की योजना बनाते समय सफलता की संभावनाओं का आकलन नहीं करता। किसी राष्ट्र के नेता, उसके परमाणु वैज्ञानिकों और उसके कमांडरों की बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लक्षित हत्या ने एक ऐसा द्वार खोल दिया है, जिसे बंद नहीं किया जा सकता। यदि अमरीकी और इसराईली सेनाएं ईरान में स्कूली छात्राओं और ज्यूरिख में वैज्ञानिकों को मार सकती हैं, तो किस सिद्धांत के आधार पर अमरीकी कंपनियों के सी.ई.ओ. ईरानी सेनाओं के निशाने से बाहर रहेंगे? यह नागरिकों को निशाना बनाने का तर्क नहीं है, एक चेतावनी है कि वैध लक्ष्यों का चुनाव एकतरफा नहीं होता।

अमरीका ने युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माता और प्रवर्तक के रूप में 8 दशक बिताए। ईरान में जो ध्वस्त किया जा रहा है, वह केवल एक शत्रुतापूर्ण शासन नहीं, बल्कि वह ढांचा ही ध्वस्त हो रहा है। तेहरान कुछ ऐसा समझता है जो इस अभियान के समर्थक नहीं समझते। एक ऐसा राष्ट्र, जिसने ईराक के साथ 8 साल का युद्ध झेला, रासायनिक हथियारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कठोर प्रतिबंधों का सामना किया, आसानी से टूटता नहीं। तीन सहस्राब्दियों पुरानी सभ्यता समय को समाचार चक्रों या अमरीकी चुनाव कार्यक्रमों के हिसाब से नहीं मापती। इतिहास महाशक्तियों द्वारा अभिमानी राष्ट्रों को बलपूर्वक अधीन करने के प्रयासों के बारे में एक समान निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। वियतनाम, अफगानिस्तान और ईराक के उदाहरण लीजिए। सैन्य शक्ति को 'लडने की इच्छाशक्ति' समझ लेना बहुत भारी कीमत चुकाने का कारण बनता है।

हर युद्ध इस धारणा पर आधारित रहा है कि वह समाप्त हो जाएगा। इस धारणा के लिए नियमों की आवश्यकता होती है। यह शत्रु को रियायत देने के लिए नहीं, बल्कि समझौते की पूर्व शर्त के रूप में होता है। पूर्ण मनमानी विजय नहीं, बल्कि हिंसा की स्थायी स्थिति पैदा करती है, जिससे आबादी कट्टरपंथी हो जाती है और हर रास्ता बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि नियम–आधारित व्यवस्था की मौत से सबसे अधिक पीड़ित वही राष्ट्र होगा, जिसने इसे नष्ट किया है। अमरीका की शक्ति उन सहयोगियों के स्वैच्छिक सम्मान पर टिकी थी, जो मानते थे कि नियम वाशिंगटन सहित सभी पर लागू होते हैं। वह विश्वसनीयता अब समाप्त हो चुकी है। संसाधनों के लिए हमेशा से संघर्ष होता रहा है। लेकिन किसी भी महाशक्ति के पास सबसे कीमती संसाधन तेल, क्षेत्र या परमाणु क्षमता नहीं है, बल्कि यह उस विश्व का विश्वास है, जिसका नेतृत्व वह करना चाहती है। इस संसाधन को बलपूर्वक हासिल नहीं किया जा सकता और एक बार खो जाने पर, किसी पर बमबारी करके इसे वापस नहीं पाया जा सकता।

# सरकारी योजनाओं से बढ़ी किसानों की आय –दारा सिंह

**संवाददाता–गोण्डा।** उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वेंकटाचार्य क्लब परिसर में आयोजित कृषि मेला एवं प्रदर्शनी में किसानों और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने किया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कृषि क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, नंद बाबा दुग्ध मिशन, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना और मत्स्य संपदा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिली है। डीएम प्रियंका निरंजन ने जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी दी और प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम के दौरान चयनित किसानों को सोलर लाइट ट्रैप व मूंग मिनी किट वितरित की गई, जबकि उत्कृष्ट किसानों व ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर किसानों को योजनाओं की जानकारी भी दी गई ।तरबगंज में विधायक ने गिनाई नौ वर्षों की उपलब्धियां रू विकास खंड सभागार में रविवार को विधायक ने प्रदेश सरकार के नौ साल के विकास कार्य की उपलब्धियां गिनाई। विधायक प्रेम नरायन पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार में सभी योजनाओं का लाभ आखिरी पायदान तक पहुंचता है, अन्य सरकारों में बिचौलिए ही लाभ लेते थे। लाभार्थी तक मात्र दसवां अंश पहुंचता था। इस दौरान विशिष्ट अतिथि प्रमुख मनोज पांडेय, जिला पंचायत सदस्य राम धोख मिश्र, बीडीओ रवि गुप्ता, जिला प्रोविशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी उर्मिला, एडीओ ग्राम्य विकास अंबरीष प्रताप सिंह, एडीओ पंचायत दुर्गा प्रसाद मिश्र रहे।

# मंडल समीक्षा एवं कार्यकर्ता बैठक संपन्न

**संवाददाता–कुशीनगर।** रामकोला में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की गोरखपुर मंडल समीक्षा एवं कार्यकर्ता बैठक संपन्न हुई। उपनगर स्थित एक निजी विवाह भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के मुख्य अतिथि राजीव पासवान (एडवोकेट) थे, जो भारत सरकार की रेलवे उपभोक्ता परामर्श समिति के सदस्य हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

राजीव पासवान ने कहा कि देश के किसी भी राज्य में पासी–पासवान समाज का कोई मुख्यमंत्री नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की मांग है कि चिराग पासवान को बिहार का मुख्यमंत्री बनाया जाए, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने आगे बताया कि पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। श्यूपी फर्स्टश मिशन के तहत पार्टी मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेगी।

कार्यक्रम में दिवंगत नेता रामविलास पासवान के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लेते हुए बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में सामाजिक न्याय के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए। इनमें संसद के सेंट्रल हॉल में भीमराव अंबेडकर का चित्र स्थापित करवाना और उन्हें भारत रत्न दिलाने के प्रयास शामिल हैं। बैठक के अंत में संगठन विस्तार, गांव–गांव तक पहुंच बनाने और दलित समाज को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

# खलिहान की भूमि पर बने मकानों पर चला बुलडोजर

**संवाददाता–बहराइच।** खलिहान की सरकारी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को बुलडोजर की कार्रवाई की है। इस दौरान भारी पुलिस बल व राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। कैसरगंज तहसील के ग्रामसभा मोहम्मदपुर में खलिहान की भूमि पर राम कमल पुत्र सोहन ने अवैध तरीके से अतिक्रमण कर लिया था। इस संबंध गांव निवासी राजेंद्र पुत्र जगदीश ने न्यायालय में शिकायत दर्ज की थी। राजस्व अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया। रविवार को टीम ने पहुंच कर बुलडोजर से मकानों को धराशाई कर दिया।

लेखपाल महावीर राय ने बताया कि बेदखली के आदेश के क्रम में अतिक्रमणकारियों को नोटिस दे दी गई थी व चस्पा भी कर दी गई थी। न्यायालय के आदेश के क्रम में बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है ।नायब तहसीलदार सचिन ने बताया कि खलिहान की भूमि ग्राम समाज की संपत्ति होती है और इसका उपयोग किसानों के हित में किया जाना चाहिए। इस प्रकार का अतिक्रमण न केवल अवैध है, बल्कि ग्रामीण व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। बुलडोजर कार्यवाही के साथ प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी इस प्रकार के अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर थाना फखरपुर की पुलिस व राजस्व टीम माजूद रही।

# लाभार्थियों को गैस सब्सिडी और राशन कार्ड बांटे गए

**संवाददाता–श्रावस्ती।** उत्तर प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्षष् पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विकास मेले का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हॉल में आयोजित नौ दिवसीय प्रदर्शनी एवं मेले के पांचवें दिन रविवार को विभिन्न कार्यक्रम हुए। यह आयोजन जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा और उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव सहित अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भिनगा की छात्राओं साबरीन और इल्तिशा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया गया। अपर जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 6 लाभार्थियों को गैस सब्सिडी चेक वितरित किए। इसके अतिरिक्त, अंत्योदय योजना के अंतर्गत 13 पात्र व्यक्तियों को राशन कार्ड प्रदान किए गए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। विकास खंड गिलौला के गुरुकुल गिलौला के छात्रों ने गीता के अध्यायों का मंचन किया। छात्र सौरभ पाठक ने ष्आरंभ है प्रचंडष् गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने थारू लोक नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम में लोक संस्कृति का रंग भर दिया।

अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि पिछले नौ वर्षों में श्रावस्ती जनपद ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं आम जनमानस तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। उन्होंने लोगों से मेले में लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी लेने और उनका लाभ उठाने की अपील की।

मेले में ग्राम विकास, पंचायती राज, शिक्षा, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, ग्रामोद्योग, उद्यान, कौशल मिशन, आयुष, पशुपालन, नगर पंचायत और स्वास्थ्य विभाग सहित कई विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। अधिकारियों और आम नागरिकों ने इन स्टॉलों पर पहुंचकर विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

# जीएसटी घोटाले का पर्दाफाश दो आरोपी गिरफ्तार

**संवाददाता–श्रावस्ती।** पुलिस ने जीएसटी कर चोरी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो अलग–अलग मामलों में दो आरोपियों को दो दिनों पूर्व गिरफ्तार किया है। ये आरोपी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की फर्जी बिक्री दिखाकर सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचा रहे थे।

पहले मामले में, कोतवाली भिनगा पुलिस ने बिकी झा नामक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक लैपटॉप, आईफोन और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया है। जांच में खुलासा हुआ कि बिकी झा ने श्बुधियार इंटरप्राइजेजश सहित कई फर्जी फर्म बनाई थीं। उसने जीएसटी पोर्टल पर अप्रैल, मई और जून 2025 के जीएसटीआर–1 और जीएसटीआर–3बी रिटर्न दाखिल किए, जिनमें करीब 28.45 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री दर्शाई गई थी। इस पर लगभग 6.22 करोड़ रुपये का कर देय था, जिसे आरोपी ने जमा नहीं किया। उसने 1.45 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट दिखाकर भी हेराफेरी की।

मामले की शुरुआत 1 अगस्त 2025 को हुई थी, जब राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त प्रदीप कुमार की शिकायत पर कोतवाली भिनगा में मुकदमा दर्ज किया गया। तकनीकी जांच में प्रयुक्त ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की संलिप्तता प्रमाणित हुई।

दूसरे मामले में, थाना गिलौला पुलिस ने पंजाब के लुधियाना निवासी जसदिल सिंह को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक चार्जर बरामद किया गया है। जसदिल सिंह ने श्श्री राम इंटरप्राइजेजश नामक फर्जी फर्म के जीएसटी लॉगिन का दुरुपयोग कर अक्टूबर 2025 में जीएसटी रिटर्न दाखिल किए। उसने करीब 3.31 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री दर्शाई, जिस पर लगभग 59.72 लाख रुपये का कर देय था, जिसे आरोपी ने जमा नहीं किया।

इस मामले का खुलासा 4 नवंबर 2025 को राज्य कर विभाग की सूचना पर हुआ था। पुलिस ने आरोपी को लुधियाना से ट्रांजिट रिमांड पर लिया और 20 मार्च 2026 को श्रावस्ती में पेश किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार,दोनों मामलों में यह एक संगठित कर चोरी का नेटवर्क हो सकता है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई को जीएसटी चोरी के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

# शिवदयाल चौरसिया की जयंती: भाजपा विधायक ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

**संवाददाता–गोण्डा।** जिले के गांधी पार्क टाउन हॉल में आज रविवार को पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की 123वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई है। इस अवसर पर रामपुर कारखाना से भाजपा विधायक सुरेंद्र चौरसिया और गौरा से भाजपा विधायक प्रभात वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने स्वर्गीय चौरसिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक प्रभात वर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान पिछड़े समाज को आगे बढ़ाने वाली कई रिपोर्टों को रोका गया, जिससे पिछड़ों के अधिकार छीने गए।

उन्होंने मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने के बाद पिछड़े समाज को मिले अधिकारों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस एक बार फिर समाज को भ्रमित कर इन अधिकारों को खत्म करना चाहती है। विधायक वर्मा ने पिछड़े समाज के लोगों से शिक्षित होने का आह्वान किया, ताकि वे देश के हर क्षेत्र में अपना स्थान बना सकें। उन्होंने घोषणा की कि वह आने वाले समय में अपनी गौरा विधानसभा में बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की प्रतिमा और स्वागत द्वार बनवाएंगे। रामपुर कारखाना से भाजपा विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने भी कार्यक्रम में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उन्हें चौरसिया समाज के एकमात्र विधायक के रूप में टिकट देकर विधानसभा भेजा। जिसके लिए वह खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही समाज को अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी प्रतिनिधित्व मिलेगा। लेकिन पहले हमारे समाज के लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है जब हमारा समाज जागरूक होगा। तो उसकी हर उसके अधिकार मिलेंगे जिस अधिकार के लिए वह लड़ाई लड़ रहा है। गोंडा में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष और हमारे चौरसिया समाज के जिला अध्यक्ष प्रिंस चौरसिया ने जिस तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया है मैं उसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूं। गोंडा भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रिंस चौरसिया ने कहा कि हमारे समाज को राजनीतिक रूप से अधिकार मिलना चाहिए शिक्षा के क्षेत्र में अधिकार मिलना चाहिए। हर तरीके से हमारे समाज के लोगों को बढ़ाने का अधिकार मिलना चाहिए। हम लोगों ने अपनी कई मांगों को लेकर के आज एक जनप्रतिनिधियों को मांग पत्र दिया है।।कि जिले में स्वागत द्वार बनना चाहिए प्रतिमा लगनी चाहिए हमारे समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व यूपी सरकार में और केंद्र सरकार में भी होना चाहिए। जो हम लोग नाग पंचमी मानते हैं उसको गुड़िया दिवस के रूप में घोषित किया जाए। क्योंकि यह हमारे समाज का त्यौहार है और हमारे समाज के साथ–साथ सभी समाज के लोग इस त्यौहार में शामिल होते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में गोंडा ही नहीं बल्कि अन्य प्रतापगढ़,देवरिया गोंडा, बलरामपुर समेत 15 जिलों के लोग भी शामिल हुए है। जिन्होंने इस कार्यक्रम में शामिल होकर के अपने समाज के बारे में जागरूक लोगों को किया है।

# सीएमओ के निरीक्षण में चार डॉक्टर सहित दस कर्मी अनुपस्थित, वेतन बाधित

**संवाददाता–महराजगंज।** सीएमओ के निरीक्षण में सीएचसी व पीएचसी में चार डॉक्टर सहित दस कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सीएमओ ने अनुपस्थित डॉक्टर सहित सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन बाधित करने के साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया है। संतोषजनक स्पष्टीकरण नही मिलने पर विभागीय कार्रवाई करने की चेतावनी दी है ।सीएमओ डॉ. नवनाथ प्रसाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पनियरा पहुंचे। उपस्थिति रजिस्टर की जांच में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अनुराग ठाकुर, डॉ. राकेश कुमार और डॉ. पूनम यादव के अलावा नेत्र सहायक शैलेन्द्र, एएनएम रैना, काउंसलर दिग्विजय कुमार और सविता भारती अनुपस्थित मिलीं। सीएमओ ने इन अनुपस्थित डॉक्टरों और कर्मचारियों का एक दिन का वेतन बाधित करने के साथ ही तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण तलब किया।

इसके बाद सीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंसूरगंज पहुंचे। वहां की साफ–सफाई व्यवस्था ठीक नही मिली। उपस्थिति रजिस्टर की जांच में एक्स–रे तक्नीशियन खूबलाल वर्मा और फार्मासिस्ट सुनील उपाध्याय अनुपस्थित मिले। सीएमओ ने अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन बाधित करने के साथ ती स्पष्टीकरण तलब किया। सीएमओ ने अधीक्षक और प्रभारी चिकित्साधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिया। कहा कि दोबारा निरीक्षण में इस तरह लापरवाही मिलने पर विभागीय कार्रवाई तय है। निरीक्षण के दौरान सीएमओ के साथ डिप्टी सीएमओ डॉ. वीरविक्रम सिंह मौजूद रहे।

# मनचले पर कार्रवाई: मिशन शक्ति अभियान का दूसरा चरण शुरू

**संवाददाता–श्रावस्ती।** मिशन शक्ति अभियान–5 के द्वितीय चरण के तहत सोनवा थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। आरोपी पर सार्वजनिक स्थान पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 22 मार्च को मिशन शक्ति टीम शाहपुर कठौतिया बाजार में गश्त कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने राजा पाण्डेय उर्फ अंग्रेज पाण्डेय (पुत्र रामकुमार पाण्डेय, निवासी शाहपुर कठौतिया) को महिलाओं और बालिकाओं को देखकर तेज आवाज में अश्लील गाने गाते और अभद्र व्यवहार करते हुए पाया। इस कृत्य से सार्वजनिक शांति भंग हो रही थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी राजा पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी अभियान के तहत नारी सशक्तिकरण का संदेश फैलाने के लिए एक बाइक रैली का भी आयोजन किया गया। यह रैली पुलिस लाइन से शुरू होकर भिनगा नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इसमें महिला पुलिसकर्मियों सहित अन्य पुलिसकर्मियों नेश्सशक्त नारी, समृद्ध नारी, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और नारी का सम्मान, देश का मान जैसे नारों वाली तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने बताया कि पुलिस महिलाओं और बालिकाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर गंभीर है और उनकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसके लिए वूमेन पावर लाइन 1090, इमरजेंसी सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, 181, 102 और 108 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग किया जा सकता है। इस अभियान के तहत जनपद के सभी थानों पर श्मिशन शक्ति केंद्रश स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिला उप निरीक्षक, महिला मुख्य आरक्षी और महिला आरक्षी तैनात हैं। ये केंद्र महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई और उनके त्वरित निस्तारण के लिए समर्पित हैं, जिससे महिलाओं को सुरक्षित, सशक्त और समर्थ बनाने में मदद मिल रही है।

# रसोई गैस एजेंसी के कार्यालय पर हंगामा, पर्ची कटाने को लेकर हुआ विवाद

**संवाददाता–देवरिया।** जिले में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर की मांग को लेकर हर दिन गैस एजेंसियों पर हंगामा हो रहा है। रविवार को सलेमपुर उपनगर स्थित अमन गैस एजेंसी के कार्यालय पर पर्ची कटाने व केवाईसी कराने गए ग्राहकों में कहासुनी हो गई। लोग हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने समझा–बुझाकर लोगों को शांत कराया। इन दिनों घरेलू रसोई गैस की किल्लत बढ़ती जा रही है। मांग के सापेक्ष काफी कम रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। जिसके चलते भोर से ही लोगों की गैस एजेंसी के गोदामों पर लाइन लग जा रही है, बावजूद इसके रसोई गैस नहीं मिल रही है। आन–लाइन बुकिंग भी अधिकांश ग्राहकों की नहीं हो पा रही है। जिसके चलते लोग गैस एजेंसी के कार्यालय पर पहुंच कर बुकिंग करा रहे हैं। रविवार को सलेमपुर उपनगर के अमन गैस के एजेंसी पर सुबह से ही लोग लाइन लगाकर खड़े हो गए और आनलाइन बुकिंग के लिए लंबी लाइन लग गई। साथ ही बहुत से लोग केवाईसी कराने के लिए भी आ गए। लंबी लाइन में आगे जाने को लेकर ग्राहक आपस में भिड़ गए और हंगामा करने लगे। इस बीच पहुंची कोतवाली पुलिस ने समझा–बुझाकर उन्हें शांत कराया।

# 30 रोजों के बाद खुशियों की ईद, नमाज के बाद गले मिलकर दी मुबारकबाद

**संवाददाता–बलरामपुर।** जिले में ईद का पर्व पूरे हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। रमजान के पवित्र महीने में 30 दिनों तक रोजा रखने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा कर अमन और खुशहाली की दुआ मांगी। सुबह से ही मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं सुबह के समय हुई जोरदार बारिश के चलते ईदगाहों पर नमाज न अदा कर अकीदतमंदों ने मस्जिदों एवं घरों में ईद की नमाज पढ़ी। ईद को लेकर छोटे बच्चों के साथ युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हालांकि इस दौरान मौसम ने कुछ परेशानी जरूर खड़ी की। सुबह हुई बारिश के चलते ईदगाहों में जगह–जगह जलभराव हो गया, जिससे नमाज अदा करने आए लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके, लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और उन्होंने भीगते हुए भी नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नए कपड़े पहनकर बच्चे ईदी लेने और अपने दोस्तों के साथ खुशियां बांटते नजर आए। वहीं घरों में सेवइयों और विभिन्न पकवानों की खुशबू से माहौल महक उठा। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस बल की तैनाती के साथ ईदगाहों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रही। ईद के इस पावन अवसर पर लोगों ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया, जो समाज में एकता और सौहार्द को और मजबूत करता है

# नवरात्रि मेले में सुरक्षा सख्त: एएसपी विशाल पांडेय ने किया निरीक्षण

**संवाददाता–बलरामपुर।** चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आदिशक्ति माँ पाटेश्वरी देवी मंदिर में लगने वाले मेले को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने रविवार को मंदिर और मेला परिसर का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एएसपी ने मंदिर परिसर, प्रवेश–निकास मार्गों, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की सतर्कता परखी और स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एएसपी पांडेय ने भीड़ नियंत्रण, सुगम दर्शन और महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए और संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं पर कड़ी नजर रखी जाए। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति टीम को सक्रिय और सतर्क रहने के निर्देश भी दिए गए हैं।

यातायात व्यवस्था को लेकर भी सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। एएसपी ने सुनिश्चित करने को कहा कि मेले के दौरान आवागमन सुचारु बना रहे और जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। जनपद पुलिस ने नवरात्रि मेले के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और निगरानी तंत्र को भी मजबूत किया गया है, ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर मां के दर्शन कर सकें।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर ज्योतिश्री और प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे। प्रशासन का दावा है कि इस बार मेले में सुरक्षा और व्यवस्था का स्तर पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

# एसपी ने दरोगा और आरक्षी को किया निलंबित

**संवाददाता–श्रावस्ती।** जनपद श्रावस्ती में पुलिस विभाग ने अनुशासनहीनता और पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही को लेकर सख्त कदम उठाया है। मल्हीपुर थाने में तैनात एक उपनिरीक्षक (दरोगा) और एक आरक्षी को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। मल्हीपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक सतीश चंद्र मिश्रा और आरक्षी विजय लाल के विरुद्ध पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता की शिकायतें उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने स्वयं इसका संज्ञान लिया और दोनों कर्मियों के आचरण को पुलिस विभाग की छवि के लिए हानिकारक मानते हुए उन्हें तत्काल निलंबित करने का आदेश पारित किया।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने स्पष्ट किया कि विभाग में अनुशासनहीनता और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें। जो कर्मी विभाग की छवि को धूमिल करने का काम करते हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई अवश्य की जाएगी।निलंबन के साथ–साथ एसपी ने दोनों कर्मियों के विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुरूप जांच कराए जाने के भी आदेश दिए हैं।

# गैस सिलेंडर के बढ़ते दाम का विरोध: सपा नेता विजय रावत ने थाली–ताली बजाकर किया प्रदर्शन

**संवाददाता–देवरिया।** बरहज विधानसभा क्षेत्र में गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। समाजवादी पार्टी के नेता विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बरहज–देवरिया रोड स्थित काली मंदिर के पास थाली–ताली बजाकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान सपा नेता विजय रावत ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता परेशान है। रावत ने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं को दूर करने के बजाय उन्हें अनदेखा कर रही है।

विजय रावत ने बताया कि देश और प्रदेश की जनता महंगाई से जूझ रही है। रसोई गैस के बढ़ते दामों से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

रावत ने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा स्थिति बनी रही, तो आम लोगों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने जनता से आगामी चुनावों में भाजपा सरकार को हटाकर बदलाव लाने की अपील की, ताकि महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से राहत मिल सके।

प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने थाली और ताली बजाकर सरकार विरोधी नारे लगाए। इस दौरान संजय यादव, रोहित शर्मा, आदित्य सिंह, राकेश चौहान, इस्लाम अंसारी, सुभाष चंद्र सिंह, ठाकुर प्रसाद और विजय शर्मा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। स्थानीय स्तर पर इस विरोध प्रदर्शन को लेकर चर्चाएं रहीं। लोगों ने बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त की।

# आरक्षण निषाद समाज का हक, भीख नहीं
# गोरखपुर में गरजे कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद

**संवाददाता–गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब सियासी हलचल साफ–साफ दिखने लगी है। रविवार को महाराज गुहराज निषाद जयंती पर निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) ने गोरखपुर से चुनावी शंखनाद कर दिया। पार्टी ने एक बड़ी मोटरसाइकिल रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया और चुनाव प्रचार का आगाज किया। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख डॉ. संजय निषाद ने पार्टी कार्यालय पादरी बाजार से इसकी शुरुआत की। वह खुद भी मोटरसाइकिल चलाते हुए रैली की अगुवाई करते नजर आए। इस मौके पर सभा में बोलते–बोलते संजय निषाद अचानक से भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले वह लंदन गए थे। हमने अंग्रेजों को मारकर देश को आजाद कराकर दिखाया। हमारा हक–हिस्सा बनता है। हमारे वंशजों को दर–दर की ठोकर खानी पड़ रही है। यह सब बोलते हुए वह फूट–फूटकर रोने लगे।

संजय निषाद ने कहा कि हमारे लोगों का वोट छीना जाता है। जब हमारी बहन–बेटियों की इज्जत लूटी जाती है तो विरोधी उसकी इज्जत लूटने वालों के साथ खडे होते हैं। रैली में निषाद समाज के लोगों की एससी में गिनती करने की और आरक्षण देने की मांग की गई। संजय निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की लगभग 160 विधानसभा सीटों पर निषाद मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। पार्टी इन सीटों पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए कमर कस रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 5 अप्रैल तक चार रैलियां आयोजित की जाएंगी। इनके जरिए निषाद समाज को एकजुट करने का प्रयास होगा। उन्होंने निषाद समाज के लोगों से अपनी पार्टी के पक्ष में खड़े होने का आह्वान किया। निषाद पार्टी की मोटरसाइकिल रैली गोरखपुर के पादरी बाजार से निकलकर गोरखपुर के विभिन्न चौराहों से गुजरी। शास्त्री चौक पर पहुंचने पर डॉ.संजय निषाद ने कहा कि पहले हमारे समाज के लोगों को नेता लैला (देसी शराब) पिला कर गुमराह करते थे। सभी ने हमारे समाज को ठगा है। मैं वकील बनकर अपने समाज के हक के लिए लड़ रहा हूं।

गोरखपुर के नौका विहार स्थित दिग्विजय नाथ पार्क में निषाद पार्टी का अधिवेशन शुरू किया गया। इस अधिवेशन का मुख्य लक्ष्य निषाद समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित करना है। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। डॉ. निषाद ने कार्यकर्ताओं से घर–घर जाकर पार्टी का प्रचार करने का आह्वान किया। पार्टी का दावा है कि 2027 चुनाव में निषाद समाज की ताकत से कई सीटें जीती जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमें मजबूत होना होगा। आप सभी से इतना कहूंगा कि अपनी निषाद पार्टी के लिए खड़े हो जाओ। अपनी पार्टी को मजबूत करो।

अभी अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल निषादों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर शुरू हुआ निषादों का आंदोलन 13 जनवरी 2013 को पार्टी में तब्दील हुआ था। पार्टी ने निषादवंशी 553 जातियों को एससी का प्रमाण पत्र दिलाने के लिए मुहिम शुरू की। इसी के बाद पार्टी का जन्म हुआ था। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी से हाथ मिलाकर 60 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली निषाद पार्टी को तब सिर्फ ज्ञानपुर सीट पर जीत हासिल हुई थी।

इसके बाद गोरखपुर के लोकसभा उपचुनपाव में डॉ.संजय निषाद ने अपने बेटे इंजी.प्रवीण निषाद को सपा के टिकट पर चुनाव लड़ाया। करीब चार दशक बाद गोरखपुर सीट निषाद पार्टी की मदद से पहली बार सपा के खाते में गई थी। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में सीटों के विवाद में निषाद पार्टी का सपा से गठबंधन टूट गया था। निषाद पार्टी तभी से भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए का अहम हिस्सा है।

# सपा का शक्ति प्रदर्शनः किसान–नौजवान–मजदूर सम्मेलन में सरकार पर साधा निशाना

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** रविवार को शोहरतगढ़ कस्बे के निकट अंसारी हॉस्पिटल के बगल मैदान में समाजवादी पार्टी ने किसान, नौजवान और मजदूर सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग उमड़े। पूर्व विधायक और सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार पर तीखे हमले किए और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी बस्ती के सांसद व पूर्व मंत्री रामप्रसाद चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा करने वाली सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिससे युवाओं में बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव उर्फ ललई यादव ने कहा कि रसोई गैस, खाद और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतें आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि पीडीए समाज के जागरूक और एकजुट होने से ही जनता के अधिकारों की लड़ाई मजबूत होगी और बदलाव संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के आयोजक व पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा क्षेत्र की जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में जनसेवा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से किसान, नौजवान, महिलाएं और मजदूर सबसे अधिक प्रभावित हैं। डुमरियागंज की विधायक सैय्यदा खातून ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध बढ़े हैं और किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ऐसी सरकार की आवश्यकता पर बल दिया जो सभी वर्गों के हितों की रक्षा करे और उन्हें सम्मान दिलाए। सम्मेलन को जिलाध्यक्ष लालजी यादव, डॉ. वेद प्रकाश, जोखन यादव, घिसियावन यादव, राममिलन भारती, धर्मेंद्र सोलंकी, कमरुज्जमा, अलाउद्दीन, बहरैची, विभा शुक्ला, जावेद अहमद, बेचई यादव, पारस नाथ विश्वकर्मा, हरीराम यादव और इंदू पासवान समेत कई नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने एक स्वर में पार्टी को मजबूत करने और 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जीत दिलाने का संकल्प लिया। सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को लेकर पार्टी नेताओं ने इसे जनता के समर्थन का संकेत बताया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और हर वर्ग तक पहुंच बनाने की जरूरत है, ताकि आगामी चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकें।

# 14 बिछड़े जोड़े फिर हुए एक

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** नवरात्रि के पावन अवसर पर महिला थाना में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र ने एक महत्वपूर्ण पहल की। इस दौरान 14 ऐसे बिछड़े जोड़ों को फिर से एक किया गया, जो आपसी विवादों के कारण अलग रह रहे थे और तलाक की कगार पर पहुंच चुके थे। इन जोड़ों के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहे थे। परामर्श केंद्र ने समझदारी, संवाद और गहन काउंसलिंग के माध्यम से इन मतभेदों को सुलझाने का प्रयास किया। पति–पत्नी के बीच की गलतफहमियों को दूर कर उनमें आपसी सहमति स्थापित की गई। इस पहल से न केवल 14 परिवार बिखरने से बच गए, बल्कि उनके रिश्तों में नई शुरुआत हुई। कई जोड़ों ने अपने मतभेद भुलाकर एक साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया। जिन जोड़ों को फिर से मिलाया गया उनमें वेन्दूअरविन्द, यशोदाहप्रमोद, प्रमिलाहरामगोहन, नन्दनीहअभिषेक, आसमाहमकसूद, विनीताहअजय, नीलमहसंदीप, खलीकुन्निशाहसलाहुद्दीन, लक्ष्मीहकुलेश, गीताहविजय, रवीहमनोज, नन्दिनीहदीपू, उर्मिलाहदुर्गेश और किरनहसंगेश शामिल हैं। परामर्श केंद्र की टीम ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से सुना। उन्होंने धैर्यपूर्वक दोनों पक्षों को समझाया और रिश्तों में आई दरार को भरने के लिए संवाद का रास्ता अपनाया। इस प्रक्रिया का सकारात्मक परिणाम सामने आया। सभी जोड़ों ने लिखित सहमति के बाद एक–दूसरे के साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया।

# उल्लास से मनाया ईद का त्यौहार, दिया संदेश

**–भारतीय बस्ती संवाददाता– बनकटी, (बस्ती)।** ईद के मौके पर बनकटी स्थित गौसिया जामा मस्जिद में ईद की नमाज अकीदत और भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ मस्जिद में उमड़ी, जहां लोगों ने नमाज अदा कर देश व प्रदेश में अमन–चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी।

ईद के इस खास अवसर पर लालगंज थाना क्षेत्र के बनकटी, पक्कवा बाजार, अहिरौली, बराहुआ, हिनौता, देवरी, बानपुर, मथौली, पंखोबारी, बरोहिया, महथा, रौतापार समेत आसपास के गांवों की मस्जिदों में भी नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। हर जगह लोगों में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। सभी प्रमुख मस्जिदों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जगह–जगह पुलिस कर्मी तैनात रहे और लगातार गश्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखी।

लालगंज थाना पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे कहीं भी किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने पाई। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया, जो नए कपड़ों में ईद की खुशियां मनाते नजर आए।

प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से पूरे क्षेत्र में ईद का त्योहार शांति, सौहार्द और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

# सागौन पेड़ चोरी गैंग का खुलासा, तीन गिरफ्तार

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** पुलिस ने रविवार को सागौन के पेड़ चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी में इस्तेमाल एक पिकअप बोलेरो, एक जाइलो कार, 12 सागौन के लट्ठे, एक आरा और एक रस्सा बरामद किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने इस खुलासे की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम ने मगहर स्थित संतकबीर आश्रम जाने वाले तिराहे के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह गिरोह आसपास के जिलों में कीमती पेड़ों की रेकी करता था और रात में उन्हें काटकर बेच देता था।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान देवरिया निवासी कृष्ण मोहन निषाद और गोरखपुर निवासी घनश्याम प्रजापति व जितेंद्र पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 10-11 मार्च की रात को आरोपियों ने ग्राम गड़सरपार के एक सुनसान खेत से तीन सागौन के पेड़ काटे थे।

इसके बाद वे लकड़ी को पिकअप वाहन से देवरिया ले जाकर छिपा दिया था। आरोपी कृष्णमोहन के खिलाफ 10 और घनश्याम के खिलाफ चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

इस संबंध में पीड़ित अब्दुल अलीम ने 19 मार्च को कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर दी थी, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे पहले सुनसान स्थानों की रेकी करते थे और फिर चोरी को अंजाम देते थे।

बरामदगी के आधार पर मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और ऐसे अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली खलीलाबाद पुलिस, सर्विलांस सेल और एसओजी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# नाबालिग लड़की को दरवाजे से खींचकर बगल के खाली मकान में ले गया हैवान, रेप के बाद छोड़ा

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले में एक हैरान कर देने वाली वारदात हुई है। यहां खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव में नाबालिग लड़की को घर से ले जाकर हैवानियत किए जाने का मामला सामने आया है। गांव की रहने वाली किशोरी को शुक्रवार की शाम एक युवक दरवाजे से खींचकर बगल के खाली मकान में ले गया। उसने लड़की के साथ उस मकान के अंदर दुष्कर्म किया। युवक ने लड़की के साथ मनमानी की और तकरीबन एक घंटे बाद उसे छोड़ा। इसके बाद पीड़िता रोते–बिलखते अपने घर पहुंची। उसकी हालत देख परिवारीजन सन्न रह गए। उन्होंने लड़की से पूछताछ की तो उसने पूरी आपबीती उन्हें कह सुनाई। शनिवार को पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

तकरीबन 14 वर्षीया किशोरी शुक्रवार की देर शाम अपने दरवाजे पर थी। आरोप है कि उसी दौरान गांव का युवक उसे खींचकर घर के बगल में खाली मकान में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवक, इस दौरान लड़की को डराता–धमकाता रहा। तकरीबन एक घंटे बाद उसने किशोरी को छोड़ा तो वह रोते–बिलखते घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी युवक बखिरा क्षेत्र के एक गांव का मूल रूप से निवासी है। वह अपनी मां के साथ उसके गांव में ही रहता है। इस संबंध में खलीलाबाद के कोतवाल जयप्रकाश दुबे ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर के आधार आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। शनिवार को सटीक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर क्राइम राकेश कुमार सिंह अपने सहयोगी कांस्टेबल रघुवंश के साथ बड़गो तिराहे पर पहुंचे। पुलिस को वहां आरोपी युवक मिल गया। युवक को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से न्यायिक अभिरक्षा में लेकर आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से तहकीकात की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्यवाही कराई जाएगी।

# नगर निगम संग्रहालय को लोकार्पण के लिए तैयार करें –नगर आयुक्त

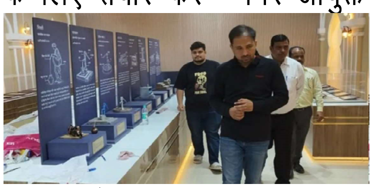

**संवाददाता–गोरखपुर।** नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने नगर निगम के पुराने भवन के सदन हाल में बनाए जा रहे संग्रहालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पण के लिए संग्रहालय भवन को जल्द से जल्द तैयार किया जाए। वर्ष 1899 में निर्मित यह भवन का सदन हाल करीब 75 लाख की लागत से इस भवन को श्गोरखपुर गौरवश नाम से विकसित किया जा रहा है। दिल्ली की कार्दी एजेंसी की छह सदस्यीय टीम से सजाने में लगी है। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार, समन्वय अधिकारी एनडी पांडेय, कार्यालय अधीक्षक पवन मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने पुराने भवन में पड़ी अनुपयोगी सामग्रियों के निस्तारण के लिए समिति गठित करने को कहा। यह भी निर्देशित किया कि निर्देश दिए गए कि उपयोग योग्य फर्नीचर जैसे अलमारियां, मेज और कुर्सियां सुरक्षित रूप से नगर निगम के स्टोर में रखवाई जाएं, जबकि खराब सामान की नीलामी बिडिंग प्रक्रिया के माध्यम से कराई जाए। इसके अलावा तकरीबन 10 करोड़ रुपये से पूरे भवन को संरक्षित करने और संवारने का काम नगर निगम करा रहा है।विधि विभाग एवं मुख्य नगर लेखा परीक्षक कार्यालय नए भवन में शिफ्ट करेंनिरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने पुराने भवन में संचालित विधि विभाग के कार्यालय और मुख्य नगर लेखा परीक्षक कार्यालय को नए नगर निगम के नए भवन में शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए। कहा कि जल्द से जल्द यह कार्य पूर्ण किया जाए।

# शहर के बसंतपुर वार्ड के 140 घरों में चार रंग के डस्टबिन वितरित

**संवाददाता–गोरखपुर।** शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए बसंतपुर वार्ड में पार्षद बिजयेंद्र अग्रहरि ने 140 घरों में चार रंग के डस्टबिन का वितरण किया। इस पहल का उद्देश्य गीले, सूखे, घरेलू और अन्य कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण सुनिश्चित करना है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था और प्रभावी बन सके। बिजयेंद्र अग्रहरि ने शिवमंदिर गली, कुम्हार गली, जिंस गली और मातम गली में कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए चार रंग के डस्टबिन वितरित किए। उन्होंने नागरिकों को बताया कि हरा डस्टबिन में गीला कचरा मसलन सब्जियों के छिलके, बचा हुआ भोजन, फल आदि रखें। नीले डस्टबिन में सूखा कचरा जैसे कागज, प्लास्टिक, बोतलें, डिब्बे आदि रखें। इसी तरह पीला डस्टबिन में जैव–चिकित्सा, खतरनाक कचरा जैसे सैनिटरी पैड, डायपर, मेडिकल वेस्ट और काला डस्टबिन जैसे राख, धूल, टूटे बर्तन, सिरेमिक आदि रखें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से कचरा एकत्र करने वाले को आसानी होगी। सफाई सुपवाइजर सुनील मणि त्रिपाठी ने बताया कि कचरे का सही पृथक्करण होने से रीसाइक्लिंग आसान होती है और महानगर साफ–सुथरा रहता है।

# विश्व जल दिवस पर जल अर्पण कार्यक्रमः विधायक ने पेयजल योजना का निरीक्षण किया, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** विश्व जल दिवस के अवसर पर जल अर्पण–2026 कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जनपद के सांथा विकासखंड की ग्राम पंचायत करमा कला में हुआ, जिसमें मेंहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी भी मौजूद थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों को पेयजल के सही उपयोग, योजना के संचालन और रखरखाव के बारे में जागरूक करना था। विधायक त्रिपाठी ने महिलाओं और बच्चों को संबोधित करते हुए भविष्य और स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने रजल जीवन मिशनश के कार्यों की सराहना करते हुए उत्तर प्रदेश और भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। विधायक ने जल निगम को निर्देश दिया कि वे इसी तर्ज पर अन्य पेयजल योजनाओं को भी समय पर पूरा करें, ताकि अधिक से अधिक ग्रामवासी लाभान्वित हो सकें। मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने जल के महत्व और उसके लाभों पर जोर दिया, साथ ही लोगों से जल का दुरुपयोग न करने का आह्वान किया। अधिशासी अभियंता ने जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए टंकी के स्वच्छ पानी का उपयोग करने की सलाह दी। अधिशासी अभियंता ने जल अर्पण कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए बताया कि पेयजल योजनाओं के तहत निर्मित सभी इकाइयों का रखरखाव ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक सहभागिता से किया जाना है। उन्होंने जल संचालन प्रक्रियाओं की जानकारी दी और ग्रामीणों को जागरूक किया। इस अवसर पर विधायक ने करमा कला और भटौरा में पेयजल योजना से संबंधित उत्कृष्ट कार्य करने वाली एफ.टी.के. महिलाओं, पंप ऑपरेटरों और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने पेयजल योजना का निरीक्षण किया, वृक्षारोपण किया और गांव में हाउस कनेक्शन से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति का जायजा लिया, जिसकी उन्होंने सराहना भी की। कार्यक्रम में सांथा के ब्लॉक प्रमुख अरविंद जायसवाल और सहायक विकास अधिकारी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 47/2025
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1– मीना देवी उर्फ उषा देवी 2. सुशीला देवी पत्नी प्रेम सागर 3. पुष्कमरमणि त्रिपाठी 4. हर्षमणि त्रिपाठी 6. शेषमणि त्रिपाठी पुत्रगण स्व0 प्रेम सागर निवासीगण ग्राम महादेवगजपुर तप्पा बुढ़ौ परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

**तारीख पेशी– 27.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक स्व0 प्रेमसागर पुत्र जगमोहन कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।
द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 36/2026
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1– सोहबाती उम्र करीब 77 वर्ष पत्नी स्व0 राजाराम साकिन सरौली टोला कंचनपुर तप्पा ऊटापार परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

**तारीख पेशी– 25.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक राजाराम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 25 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।
द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा–
वाद सं0–T202517140206263
धारा 25 (1) सी0 रजि0 एक्ट 1860
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती
आदित्य सिंह आदि
बनाम
शिशिर कुमार सिंह आदि
मौजा नरखोरिया
1. शिशिर कुमार सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र स्व0 सत्येन्द्र नाथ सिंह 2. सुधांशु कुमार सिंह उम्र लगभग 36 साल पुत्र स्व0 सत्येन्द्रनाथ सिंह 3. श्रीमती ममता सिंह उम्र लगभग 65 साल पत्नी स्व0 सत्येन्द्रनाथ सिंह साकिनान नरखोरिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर पोस्ट असनहरा जिला बस्ती

**तारीख पेशी 30–03–2026**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाक्ई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्स हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 37/2026
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1– राधेश्याम पाण्डेय 2. रमाकान्त पाण्डेय 3. ब्रम्हानन्द पाण्डेय 4. बालकनाथ पाण्डेय 5. धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय पुत्रगण सभा पाण्डेय निवासीगण ग्राम बसडिलिया तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

**तारीख पेशी– 31.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृतक भूषण पाण्डेय पुत्र सभा पाण्डेय को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 31 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 19 को दिनांकित।
द0 हाकिम

**दैनिक भारतीय बस्ती**

**संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–** चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

**लखनऊ कार्यालय–** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

**गोरखपुर कार्यालय–** इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com